तर्ज-हमें तो लूट लिया

परख लो वाणी से मोमिन हैं या मुनाफक है
डूबे हैं माया में या धनी के आशिक हैं

1- मोमिन का दावा लिया काफिरों और मुनाफिको ने
कसौटी दिखलाती है कस परखा है सराफ़ों ने
अर्स के मोमिन ही धनी के मुआफ़क हैं

2- नाम कुरबानी का सुन उलसत हैं मोमिन के अंग
किया मुरदार दुनी को चढ़ा है अर्श का रंग
अपने धनी पे फिदा हैं जो उनके आशिक हैं

3- हद के जीवड़े क्या समझेंगे बेहद की बातें
सूरज निकला है अन्धों के लिए काली रातें
रूह की नजर से माशूक नजर आते हैं

Nijanand App